सकारात्मक- सूचनात्मक उपयोगी समाचार

डाक पंजीकरण संख्या–मेरठ–153–2022–2024
RNI No. UPHIN/2009/31760
प्रथम प्रकाशन 2 अक्टूबर 1981

हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर

केन्द्र सरकार, राज्य सरकार उत्तर प्रदेश, विद्युत विभाग से विज्ञापनों हेतु स्वीकृत

आनंद रामायण
YouTube Channel
@Shram Shikhar
@Sadbhavna Waves
WATCH SHARE & SUBSCIBE
ऑनलाइन/ऑफलाइन कार्यक्रम कवरेज लाईव/ रिकॉर्डिंग उपलब्ध है।
M. 9219660359

श्रीकृष्णा भवन (गली अपोजिट शिवलोक कॉम्पलैक्स) 283, वैस्टर्न कचहरी मार्ग, मेरठ। फोन: 0121-2641338 E-mail : shramshikhar@gmail.com

वर्ष 16 अंक 29 15 जुलाई सोमवार से 21 जुलाई रविवार 2024 तक पृष्ठ 04 मूल्य ४२/-

शासन-प्रशासन जानकारियां

नौचन्दी मेला आखिर शुरू हो गया, इतना अन्तराल नियत समय से पहली बार आयोजन

तारीख पर तारीख के बाद होली के बाद एक रविवार को छोड़ अगले रविवार से शुरू होने वाला मां दुर्गे के नवरात्रों में लगने वाला मेला नौचन्दी का शुभारम्भ बादलों की रिमझिम, गर्मी की उष्णता के बीच शुरू से हो गया संभवत: यह पहला अवसर है कि जो मेला नियत तिथि से इस अधिकाधिक अवधि के बाद शुरू हुआ है। इससे पूर्व नियत तिथि या उसके कुछ समय बाद मेला भरपूर लगने में समय तो लगता रहा या फिर विकट तम परिस्थिति में इक्का-दुक्का इसका आयोजन निरस्त करना बेहतर समझा गया पर नियम अवधि के बाद इसको मेला समाप्ति की अवधि उपरान्त से शुरू संभवत: पहली बार आयोजित किया गया है। प्रांतीय वर्तमान मे दो-तीन वर्ष से शुरू मेला घोषित कर जिला-प्रशासन को इसके आयोजन की जिम्मेदारी दी हुई है। संयोग से मेला शुरू होने के समय देश में संसदीय चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रशासन की इसमें व्यवस्था के कारण मेला आयोजन समय से नही हो सकता था। जिला-प्रशासन की पुरानी परम्परा के निर्वहन के अन्तर्गत इस मेले का एक वर्ष नगर निगम व दूसरे वर्ष जिला परिषद के सहयोग व जिला सरकारी अर्द्ध सरकारी विभागों व कुछ चिरपरिचित नागरिकों के चेहरों से इस मेले का आयोजन करने लगा है। इस वर्ष जिला परिषद मुख्य सहभागी हैं। एक माह तक चलने वाले इस मेले का आयोजन जिलाधिकारी के निर्देशन में किया जा रहा है। इस मेलें में सास्कृतिक कार्यक्रम भी मेला प्रारम्भ होने के साथ मां दुर्गे की चौकी से शुरू होकर हर रोज २६ जुलाई तक कवि सम्मेलन, मुशायरा, नृत्य आदि विभिन्न कार्यक्रम पटेलमण्डल मे हो भी रहे है। मौसम की बदमिजाजी एंव गर्मी की चिटचिपाहट कि बीच सड़कों के खड़डे को हापुड-अड्डें से चारो ओर नौचन्दी मेला स्थल के निकट ही मेला तैयारी की पोल खोले है। शहर की स्ट्रीट लाइटों की हालत देखने लायक है। इनका रख-रखाव करने वाली कम्पनी व नगर निगम के बीच टकराव सम्भले नही समझ रही हैं। शहर में सड़को के खड्डों की जनप्रतिनिधियों से लेकर स्वयं प्रशासनिक स्तार पर चिंता व्यक्त की जा चुकी है। पर चिंता किसे है। वर्षा शुरू होने के बाद स्ट्रीट लाइट व सड़कों के खड्डे निश्चय ही कानून व्यवस्था व सड़क हादसों के लिए गम्भीर है।

मेला रात्रि में कैसे देखे – नौचन्दी मेला स्थल का सरंक्षण चार दिवारी व यहां राष्ट्र प्रतीकों की सुरक्षा, स्वच्छता व सलि के दुरुपयोग व प्रति वर्ष भर संरक्षित रखने के राज्य मेला बनने के बाद भी सरकारी प्रशासनिक घोषणाएं केवल सुर्खियों तक सीमित है।

राज्य मेला बनने पर भी कोई बदलाव आर्कषण बन नही पाया है श्रम शिखर से बातचीत में मेला नौचन्दी दर्शकों व मेले में आये दुकानदारों व स्थानीय नागरिको का कहना है। कि मेला निरस्त समय से न लगना इस मेले की ऐतिहासिक औचित्य एंव मायता के साथ के साथ खिलवाड़ है। चुनाव के कारण मेला समय से नही लग सका था तो इसे इस वर्ष निरस्त भी किया जा सकता था। इससे पूर्व मेला हो चुका है। समय बाद मौसम बदमिजाजी में मेला आयोजन आम-जनजन के महत्व का न रहकर चंद लोगो के जिसके आयोजन कर्त्ता भी ले सकते हैं लाभार्थी हो, अथवा सरकारी धन की बर्बादी से अधिक नही छात्र/छात्राओं के स्कूल खुल चुके है।

मेला नौचन्दी का बनता जा रहा सुरजकुण्ड पार्क इस बार रोशनी महरूम – मेला नौचन्दी की संकीर्ण होते जाने व इस स्थल पर कोई पार्क आदि न विकसित होने से कुछ दशक से निकट सुरजकुंड पार्क क्षेत्र में रोशनी कर नौचन्दी दर्शकों के लिए इस पार्क का आकर्षण दिया जाता रहा है इस बार इस क्षेत्र में रोशनी का अभाव दिखता हैं

ग्रामीण दर्शकों को नही लुभाता दिखता जिला-प्रशासन सांमज्स्य नौचन्दी मेला– इस वर्ष मेला आयोजन के जिला -प्रशासन के नेतृत्व के जिला परिषद प्रमुख भूमिका है। उम्मीद थी कि यह मेला किसानों व अन्य ग्रामीणों को अपनी ओर आकृष्ट करेगा। किसानों व ग्रामीणों कुटीर उद्योग महिला व बाल उत्थान योजनाओं का चित्रण व चर्चा गोष्ठी अधिक रहेगी पर ऐसा कुछ मेले में नही दिखता है। पुरानी परम्परागत मेले में है। तथा आयोजनकर्त्ता विशिष्ट नागरिक व कार्यक्रमों से जुड़े लोग अपनी अपेक्षाएं कुछ अधिक पूर्ति करते दिखाई देते है।

बेहतर होता आयोजन न कर मेला क्षेत्र अनुरक्षण को संवारते– सद्भावना समिति वरिष्ट नागरिका फोरम के सदस्यों का मत हैं की बेहतर रहता मेलें की औपचारिकता के लिए आयोजन न कर इस वष्र के बजट को मेला क्षेत्र सीमांन चार दिवारी व इस क्षेत्र मे हरित योग व सलिों की सुंदरता व मूल भूत सुविधाएं बढाने की ओर खर्च किया जाता ? मेले की स फलता प्रकृति, मौसम के ऊपर है। इतने वर्षों से मेला क्षेत्र १ माह ही उपयोग में आता है शासन को इस क्षेत्र के विकास पर कार्य करना चाहिए– *श्रम शिखर ब्यरो*

अगर तुम शिथिल हो सके, तो तुम्हारा जीवन प्रेम पूर्ण हो जाएगा। तनावग्रस्त आदमी सदा उद्देश्य से, प्रयोजन से जीता है।

"तुम्हारे शिथिल होने के अनुभव में प्रेम का अनुभव निकटतम है। अगर तुम प्रेम नहीं कर सकते हो तो तुम शिथिल भी नहीं हो सकते। और अगर तुम शिथिल हो सके तो तुम्हारा जीवन प्रेम पूर्ण हो जाएगा। एक तनाव ग्रस्त आदमी प्रेम नहीं कर सकता है। क्यों? क्योंकि तनावग्रस्त आदमी सदा उद्देश्य से, प्रयोजन से जीता है। वह धन कमा सकता है लेकिन प्रेम नहीं कर सकता।क्योंकि प्रेम प्रयोजनरहित है।प्रेम कोई वस्तु नहीं है।तुम उसे संगृहीत नहीं कर सकते।" किसी ने संदेश भेजा- "नमक जैसी हो गयी है जिंदगी, अपने ही लोग हमें..स्वाद अनुसार इस्तेमाल करने लगे हैं।" हम खुद कहां जब किसीसे मिलते हैं तब शिथिल, विश्रामपूर्ण, रिलेक्सेशन में होते हैं? विश्राम और प्रेम एक सिक्के के दो पहलू की तरह हैं।हम विश्राम में होंगे, शिथिल होंगे तो शांति से बात करेंगे,आराम से बोलेंगे, प्रेमपूर्ण बर्ताव करेंगे। जब हम अपने सुख को बचाना चाहते हैं तब हम आक्रामक हो जाते हैं। कभी-कभी आक्रामक हों तब भी ठीक है लेकिन हम तो सतत आक्रामक होते हैं। दूसरा भी यही कर रहा होता है।हम अपने सुखाभास को बचा रहे होते हैं,दूसरा व्यक्ति उसके सुखाभास को बचाने में लगा होता है। दोनों की गिद्ध दृष्टि अपने अपने सुखाभास पर होती है। दोनों प्रत्येक क्षण उसकी सुरक्षा में लगे रहते हैं कि कहीं छिन न जाय,खो न जाये। दूसरे द्वारा छीने जाने की पूरी संभावना होती है।वह छीने उसके पहले हम तैयार होते हैं,वह भी तैयार होता है। भले ही दोनों एक शानदार ड्राइंग रूम में बैठे हैं आमने-सामने लेकिन दोनों अपने अपने सुखाभास के सजग प्रहरी हैं।

सुख है नहीं इसलिए अपनी प्रतिमा(छबि,इमेज) बनाकर उसके सुख से काम चलाना पड़ता है। इससे हर समय तनाव बना रहता है।छीना झपटी चलती रहती है।दूसरा जरा भी अधिक श्रेष्ठ, अधिक ऊंचा प्रतीत हो तो जी की जलन शुरू हो जाती है। एक तुलना बनी रहती है। लोग पराये मालूम होते हैं। ऐसा लगता है वे स्वाद अनुसार नमक की तरह हमें इस्तेमाल करने लगे हैं।

यह सब क्या है? क्या हम भी यही नहीं कर रहे हैं?हम भी अपने प्रतिमा आधारित क्षुद्र सुखाभास को बचाने के लिए दूसरों का इस्तेमाल कर रहे हैं। दूसरे को जिम्मेदार बताना आसान है,खुद को नहीं। जब दो व्यक्ति एक जैसी व्यवहार संबंधी भूल कर रहे होते हैं तब जिम्मेदारी दोनों की होती है, नहीं तो जो समझे उसकी तो होती ही हैं। जब हम किसीके साथ क्षण क्षण अपना अपना सुखाभास बचाने के युद्ध में जुटे होते हैं उस समय हमें याद आ जाय कि हम क्या कर रहे हैं तो हम तत्काल शिथिल हो जायेंगे, विश्राम पूर्ण हो जायेंगे।अब हम शांति से,प्रेमपूर्वक बात कर सकते हैं। दूसरे के व्यवहार में भी परिवर्तन आयेगा। यह नियम है हम आक्रामक हैं तो दूसरा भी आक्रामक होगा, हम शिथिल हैं तो दूसरा भी शिथिल होगा। थोड़ी देर लग सकती है। इसे इस ढंग से भी समझ सकते हैं।दूसरा आक्रामक है,हम आक्रमित हैं तो ये दोनों खंड हमारे ही हैं और हमें अपने आपके पास रहने की आवश्यकता है।तब दोनों खंड हृदय में समा जाते हैं।जिसका अर्थ है पूर्ण स्वस्थता, स्व में पूर्ण विश्राम। इसी तरह हम द्रष्टा हैं तो दूसरा व्यक्ति दृश्य है।

जब दूसरा व्यक्ति द्रष्टा है तब हम दृश्य की तरह होते है। हमें पता चलता है हमें देखा जा रहा है। तब देखने वाले का हमारे प्रति सद्भाव है या नहीं इसका महत्व रहता है। हम समझ रहे हैं तो पायेंगे हम ही विभाजित हैं द्रष्टा तथा दृश्य के रूप में।अपना ही अंत:करण बंटा हुआ है। इसलिए द्रष्टा-दृश्य दोनों हम ही हैं। दोनों रुप में हमें अपने आपके पास रहना चाहिए- हृदय के पास शिथिल होकर। इससे हम विश्राम में, रिलेक्सेशन में आ जाते हैं, बाहरी द्रष्टा से हमारा ध्यान हट जाता है। हम अपने आपमें होते हैं। कुछ लोगों को यह असुरक्षित लगता है। बाहरी से बचना है तो उस पर नजर बनाये रखना भी जरूरी है। ऐसी स्थिति में दृश्य रुपी हम, द्रष्टा रुपी दूसरे का पीछा करते हैं।यह तनावपूर्ण स्थिति है। यदि हम ही दृश्य हैं,हम ही द्रष्टा हैं इसे समझकर दोनों रुपों में अपने हृदय में समा जाते हैं तो अखंडता आ जाती है,

आंतरिक खंडों का संघर्ष समाप्त हो जाता है। शांति छा जाती है। अब बाहरी द्रष्टा के प्रति हमारे भीतर न सद्भाव होता है,न असद्भाव वह है ही नहीं। अब हम अपने भीतर खंड मुक्त होकर सम्यक व्यवहार कर सकते हैं। समझने की बात है आमनेवाला भी हम हैं, सामने वाला भी हम ही हैं,हमारा ही प्रक्षेपण हैं तो अपने पास रहने में बुद्धिमानी है या नहीं? इसमें मुक्ति है,आनंद है,प्रेम है। स्वादानुसार नमक की तरह फिर किसी का इस्तेमाल करने की बात ही नहीं है। दूसरा भी ऐसा नहीं करेगा।हमारी अखंडता का स्पेषण उसे सुख का एहसास देगा। वह दूसरों के साथ बदले या न बदले मगर हमारे साथ वह जरूर विश्राम पूर्ण होगा। हम उसे समा ही चुके हैं अपने भीतर यह अनुभव करते हुए कि वह मेरा ही हिस्सा है। अब हमारे सामने कोई भी नहीं है। प्रेम शून्य व्यक्ति के लिए दूसरा व्यक्ति नर्क के समान है। जब पता चल जाता हैं कि मैं और दूसरा दोनों अपने ही हिस्से हैं,जब दोनों हिस्से हृदय में समा जाते हैं तब हृदय की अखंडता प्रेम के अनुभव के रुप में अभिव्यक्त होती है। जो भी व्यक्ति इसके संपर्क में आता है वह अकारण प्रेम का अनुभव किये बिना नहीं रह सकता।

हमें अपने आपसे अकारण प्रेम है या नहीं? लेकिन हम खंडों में बंटे हुए हैं -मैं और दूसरा में इसलिए इसकी समग्रता का पता नहीं चल पाता। इस कारण से जगत की फिक्र नहीं करनी चाहिए। जगत को प्रेमपूर्ण नहीं बनाना है अपितु हमें ही खंडरहित हो जाना है यह अभ्यास करते हुए कि द्रष्टा-दृश्य दोनों रुपों में मैं ही हूं और मैं मेरे पास हूं,हृदय के पास हूं ताकि दोनों रुपों में मैं उसमें समा जाऊं। इस तरह मन समाप्त होकर अमन की स्थिति बनती है। ऐसे व्यक्ति कहना चाहिये महापुरुष जहां भी हैं वहां अमन-चौन है, सुख-शांति है।

बाकी आमने-सामने में बंटकर लोग अपने आपसे संघर्ष कर ही रहे हैं। आत्मा में पूर्ण विश्राम को उपलब्ध तो थोडे ही हैं। वे कभी "तब" नहीं,वे सदा "अभी" हैं। वे कभी "वहां" नहीं,वे सदा "यहां" है परिपूर्ण,खंडरहित, संघर्ष रहित। स्पष्ट है इसका संदेश शब्दों में नहीं दिया जा सकता।यह स्थिति है और जो साधक है वही इसमें रह सकता है

हमारे बुजुर्ग-हमारी सम्पदा (मार्ग -दर्शक हमारे वरिष्ठ नागरिक)

वाह! रे ऊपर वाले तेरी रचना (लेख)

ऊपर वाले तुम्हें प्रात: कालीन शत्-शत् प्रणाम मेरा। क्या-ही रचना है। तेरी अद्भुत आश्चर्यजनिक और मन-भावन। जवाब नही तेरी संसारिक सुन्दर रचना का। ज्ञानी , विवेकी और ईश्वर का भक्त, पुजारी है। इस रचना को समझ सकता है। जीवन की इस अन्धी दौड़ में किस को फुर्सत और समय है। जन्म से लेकर अन्तिम सांसों तक यदि कोई सोचे तो भी-नही समझ पायेगा। तुम्हारी इस रचना के बारे में मन्थन करें भी तो समझ नही पायेगा। संसार रूपी रंगमंच पर कदम रखते ही व्यक्ति के तरह-तरह के नाटक प्रारम्भ होने लगते है। उसका जीवन सफलता-असफलता के मध्य झूलता रहता है। जीवन के पथ पर घूमता रहता है। चन्द विवेकी ही अपना जीवन सदगुणों के साथ पूरी कर जाता है। तुम जैसा-जैसा करवाते हो बस प्राणी वैसे-वैसे ही करता रहता है। क्योंकि तुम्हारी रचना ही कुछ ऐसी अनोखी इस जीवन रचना में झूलता हुआ इस रंगमंच पर नाटक करता हुआ, अपनी न भूलने वाली यादें छोड़ जाता है। जो पीढ़ी दर पीढ़ी बढ़ती रहती है। आने वाली पीढ़ी उसका अनुसरण करते हुयें चली जाती है। उसे कुछ भी पता नही क्या-क्या कर रहा है। वह तुम्हारी रचना अदृश्य, अद्भूत, निम्न प्रकार की होती है। कहने का तात्पर्य है। कि तुम्हारे मस्तिक की अनोखी रचना का ज्ञान और विवेक कैसा चमत्कारी है। जिसने क्या-क्या सोचकर मानव जीवन रचना कर इस पृथ्वी पर उतार दिया ह। वाह! री तुम्हारी रचना की अद्भूत कहानी और सोच की प्रंशसा है। उसकी क्या प्रंशसा करूं। उसके लिए शत्-शत् नमन एंव धन्यवाद

क्या आत्मायें घुमती है।

क्या आत्मायें घुमती है। यह प्रश्न बार-बार दिल में आता हैं वर्षो पुरानी आत्मायें घुमती और स्वयं में आकर मिलती है। जिनकी यादें दिल-दिमाग में भी नही होती कमजोर कर जाती है। जिनमें से कुछ आत्माये तो बस-दिल में उथल-पुथल मचा जा जाती हैं। कुछ तो ऐसी है। जिनकी हमें याद तक नही होती बस स्वप्न में आकर विगत स्मृतियों ताजी हो उठती हैं। वे आत्मायें जो डरावनी होती हैं। जीवन में उनकी छाप उभर उठती हैं। जीवन जाग्रत अवस्था में भी भयभीत करता रहता है। सारा समय उनको भूलाने में लग जाता हैं। समय बीतनें के साथ-साथ देर तक जाता है। किन्तु-कुछ तो ऐसी होती है। जो हमें नया उत्साह, शक्ति, ज्ञान दे जाती है। दिलो-दिमाग शक्ति वाला होता है, मन अच्छी लगती है। हम उनके बारे में औरो को भी सुनते हैं जीवन उत्साह भरा हो जाता है। बड़ा आश्चर्य है कि आत्मायें शरीर के साथ-साथ समाप्त नही होती, अपना अस्तित्व बनायें रखती हैं। कुछ तो ऐसी होती है मृत्यूपरान्त भी नही जाती है। अयन्त्र जन्म लेकर भी पुरानी जगह और अपने रिश्तों से स्थान पर जाने का मचलती रहती है।

व्यक्ति का जीवन दो तरफा भटकता रहता है। व्यक्ति का जीवन सुख-दु:ख झूले में झूलता नजर आता है। ऐसी आत्मायें के बारे में क्या कहा और सोचा जायें। बड़ी दुविधा में जीवन पड़ जाता हैं। और परेशान करता रहता है। इसके लिये एकाकी जीवन काटना दूभर हो जाता है। अत: अपने आपको समाज के साथ सुसंगति में समय बिताना ही श्रेष्ठ है। ईश्वर की ओर ध्यान रख अपना जीवन धैर्य व संतोष से बिताना चाहिए। जो सत्य हैं उसे मानना ही पड़ेगा तब सन्तान को शिक्षा दें पायेगें।

ऊषा मेहिन्द्रा
अवकाश प्राप्त शिक्षिका

— सद्भावना समिति पंजी0 —
श्रीकृष्ण भवन, 283 वैस्टर्न कचहरी रोड, मेरठ-250001
sadbhavnasamitimeerut@gmail.com
जन-जन सहयोग अभियान
"मन की बात-अपनी प्रतिभा"
कार्यक्रम यूट्यूब पर लाईव देखें
चैनल- https://www.youtube.com/@shramshikhar
पंजीकरण हेतु 500/- भेज कर, भुगतान, अपना परिचय, फोटो फोन पता इच्छा विवरण व्हाट्सप्प 9219660359 भेजे।
80G के लिए स्वीकृत।
व्यक्तिगत विकास-समृद्ध भारत

इच्छाओं और जरूरतों का समाधान
हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर CITY CLASSIFIED MEERUT
www. shramshikhar.in, shramshikhar@gmail.com

+HEALTH+
स्वास्थ्य संबन्धित जानकारियां और विभिन्न रोगों के उपचार विज्ञापन के हेतू आवश्यकता/उपलब्धता

सम्पादकीय

खाना बर्बादी के खिलाफ मुस्लिम संगठन मुहिम

शादी समारोह में होने वाले खाने की बर्बादी को रूकवाने के साथ ही उस बचे हुए खाने का इस्तेमाल कराने के अभियान चलाने का कुछ समय पूर्व मुस्लिम संगठन ऑल इण्डिया मुस्लिम यूथ ऑर्गेनाइजेशन ने मेरठ में किया है।

इस संगठन के महासचिव डॉ० हसीब-उर-रहमान का कहना है कि पश्चिम उ०प्र० से इस की शुरूआत होगी। इसमें हापुड़, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत जनपदों के नाम लिए इस सगठन से जुड़े सदस्यों को प्रशास्ति करने की बात कही गई है। कि इन्हे किन्ही के समारोह मे जाकर लोगों को किस तरह झूठन न छोड़ने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ इस झूठा न होने वाले खानों का इस्तेमाल कैसे करना है। डॉ० का मानना है कि किसी के कार्यक्रम में जाना और वहां उनके खाने पर निगरानी निश्चय ही संवदेशील मामला है। इस कारण इस कार्य में भागीदारी करने वाले वॉलटियंर्स को बेहतर प्रशिक्षण देने की जरूरत है।

प्लेटो में बचे खाने को पशु-पक्षियों के लिए व इस्तेमाल न हुए खाने को जरूरतमंदो को वितरित कराने हेतू समारोह में उपस्थित वॉलटिंयर रजामंद कर उसे प्राप्त करेगें।

संगठन की महामंत्री का कहना है- मुस्लिम दावतों की अक्सर अनदेखने को आ रहा हैं। कि लोग प्लेटस् में खाना जरूरत से अधिक लेकर थोडा खाकर बाकी यू ही छोड़ देते हैं। जो कूड़े मे तब्दील होकर बीमारी को जन्म देते रहा हैं इसके अलावा भूख में जानवर -पक्षी, पशुओं, खुंखार व हिंसक बनने के साथ-साथ दुर्घटना के कारण बन रही है। सद्‌भावना समिति वरिष्ठ नागरिक फोरम अध्यक्ष बृजभूषण, वरिष्ठ सदस्य राकेश गुप्ता महासचिव रघुनन्दन शरण शर्मा आदि ने इस पहल का स्वागत किया है। और अपेक्षा की है। मुहिम की जरूरत के उल्लेख मे जो मुस्लिम समाज की दावातों में खाना बर्बादी का उल्लेख किया है। बेहतर हो पहले यह प्रयास मुस्लिम समाज व उनके कार्यक्रमों में जनप्रिय बनवाने का प्रयास है। सद्‌भावना समिति भी खाना बर्बादी व बचें भोजन को इस्तेमाल, कपड़ो के जरूरतमंदो को पुन: उपयोग के लिए उपलब्ध कराने का मिशन चलायें है। सद्‌भावना समिति ने जगह-जगह पर सीलि बनाकर बचे भोजन, कपड़े, को जरूरतमंदो के उक्त स्थल से प्राप्त करने की व्यवस्था बनायी है।

अपनी संस्था व वॉलटिंयर के संबंध में जिला प्रशासन, चिकित्सा स्वास्थ्य व क्षेत्र पुलिस को अवगत रखें व इस कार्य हेतू आवश्यकता अधिकृत प्राप्त करें। ताकि किसी के समारोह मे जाने वहां अपना दायित्व निर्वहन में कानूनी व अन्य वैधता बने सकें। इस कार्य में अनधिकृत व अवान्छित तत्व का लाभ न उठा सकें।

बेहतर हो... संस्था इस्तेमाल हुए खाने को पशु-पक्षियों, जानवरों खा सकें। इसके लिए जगह-जगह स्थल की उपलब्धता के साथ ही बचा हुआ खाना जरूरतमंदो को मिल सकें। शादी समारोह आयोजन के स्थल, मण्डप हॉटल आादि के संचालको का सहयोग बनाने के साथ यह कार्य की एन.जी.ओ. स्वरूप देकर अधिकांश के सरकारी धन हड़प्पन की तरह प्रयास होने की उपेक्षा की गई है।

श्री मीनाभूषण जी
(वरिष्ठ नागरिक)

FRIZZON
TRAVEL | EVENTS | FILMS
worldwide Travel as you wish
DOMESTIC ALL INDIA & INTERNATIONAL TOURS AND TRAVELS
Flight, Cruise, Car-Rental , Hotel, Train Booking etc...
MUMBAI DELHI MEERUT
booking@frizzontravels.com | www.frizzontravels.com
Ph- 0121-261338, 8266023450

RR Estd. 1979
RR ADVERTISING SERVICES
NEWSPAPER | MAGAZINE
OUTDOOR | SIGN AGE
PRINT | FILM
DIGITAL MEDIA
EVENT PROMOTION
POINT OF PURCHASE
MEDIA INTERNATIONALS
DIGITAL AWARENESS PROGRAM
rradvertisingmeerut.com | rradvertisingmeerut@gmail.com
Ph- 0121-2641338, 9690331338

आर आर पाक्षिक बुलेटिन
सद्भावना समिति (पजी०) मेरठ
हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर
श्री कृष्ण भवन, 283/1, वैस्टर्न कचहरी रोड, मेरठ- 250001
YouTube Channel— @Sadbhavna Waves | @Shram Shikhar | @RR Advertising Services | @RR Bulletin
देखियें, जुड़िये-अपने विचारों/कार्यक्रम को रिकार्ड करके भेजें या रिकार्ड करने के लिए बुलाएं। नियम व शर्ते लागू

प्रजातन्त्र प्रजा का शासन
समाज जन-जन से मिलकर बनता है।

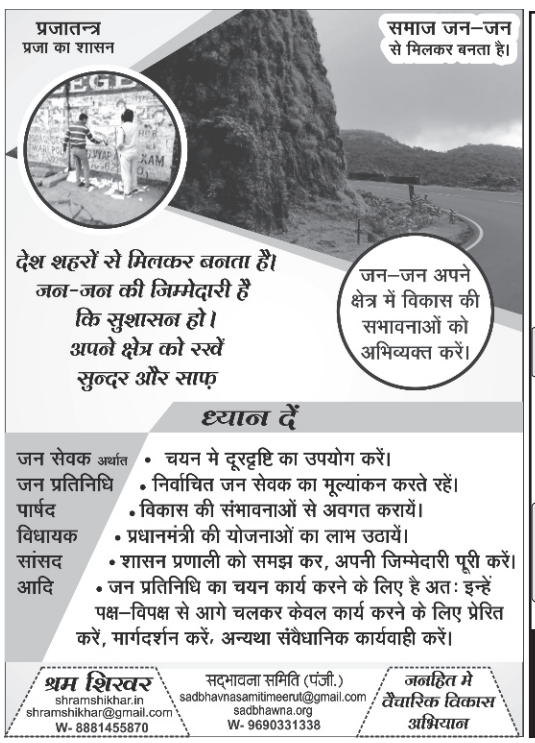

देश शहरों से मिलकर बनता है। जन-जन की जिम्मेदारी है कि सुशासन हो। अपने क्षेत्र को रखें सुन्दर और साफ़
जन-जन अपने क्षेत्र में विकास की सभावनाओं को अभिव्यक्त करें।
ध्यान दें
जन सेवक अर्थात जन प्रतिनिधि पार्षद विधायक सांसद आदि
• चयन मे दूरदृष्टि का उपयोग करें।
• निर्वाचित जन सेवक का मूल्यांकन करते रहें।
• विकास की संभावनाओं से अवगत करायें।
• प्रधानमंत्री की योजनाओं का लाभ उठायें।
• शासन प्रणाली को समझ कर, अपनी जिम्मेदारी पूरी करें।
• जन प्रतिनिधि का चयन कार्य करने के लिए है अत: इन्हें पक्ष-विपक्ष से आगे चलकर केवल कार्य करने के लिए प्रेरित करें, मार्गदर्शन करें, अन्यथा संवैधानिक कार्यवाही करें।
श्रम शिखर shramshikhar.in shramshikhar@gmail.com W- 8881455870
सद्भावना समिति (पंजी.) sadbhavnasamitimeerut@gmail.com sadbhawna.org W- 9690331338
जनहित मे वैचारिक विकास अभियान

YOUR CONVENIENCE IS OUR PRIORITY
WE VALUE YOUR TIME AND ASSOCIATIONBOOK ADVERTISMENT AT
RR ADVERTISING SERVICES MEERUT
For More Details Contact
E-mail & Call Us
rradvertisingmeerut.in
rradvertisingmeerut@gmail.com
9690331338
8076960631

अपनी प्रतिभाओं को पंख दीजियें।
अपना बायोडाटा, परिचय, विशेषताएं, प्रतिभा इच्छायें भेजिए
सद्भावना समिति (पंजी०) +91 9219660359 +91 9675834737
(रजि० – 10A/80G, MSME, CSR, उत्तर प्रदेश में कार्यरत्)
श्रीकृष्ण भवन 283, वैस्टर्न कचहरी रोड , मेरठ- 250001
sadbhvnasamitimeerut@gmail.com
sadbhvnasamiti.in
YouTube Channel @Sadbhavna Waves @Shram Shikhar
वॉलटिंयर मीडिया सैल्स पर्सन/पत्रकार/ सम्पादक
पंचकर्म, नेचुरोपैथी, स्पा वर्कर / डॉक्टर चाहिए
प्रचार सेवा- प्रेम हॉस्पिटल

सकारात्मक-सूचनात्मक उपयोगी समाचार प्रथम प्रकाशन 2 अक्टूबर 1981
E-Paper :shramshikhar.com
केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, उत्तर प्रदेश विद्युत विभाग एवं भारतीय रेलवे से विज्ञापनों हेतु स्वीकृत डाक- पंजीकरण संख्या-मेरठ 153.2022.2024 RNI No.UPHIN /2009/31760
साप्ताहिक अखबार श्रम शिखर श्रीकृष्ण भवन (लेन अपोजिट शिव लोक कॉम्पलैक्स), 283/1, वैस्टर्न कचहरी रोड, मेरठ, मो0 9219660359
प्रधान सम्पादक : सुनीता रानी 9897373736
प्रबन्धक : राकेश गुप्ता 9219660359
बिक्री प्रबन्धक : अश्विनी गुप्ता 9358402365
इंटरनेट प्रबन्धक : मेघा अग्रवाल 9219660359
संरक्षक : ब्रज भूषण 9457213164
कानूनी सलाहकार : दिनेश कुमार चतुर्वेदी एडवोकेट :0121-2760145, 9720171549
मार्केटिंग टीम : 9219660359, 9411990449, वरिष्ठ नागरिक संयोजक
श्री सुदेश चन्द्र शर्मा पुत्र पं0 होराम शर्मा 245 खारी कुंआ कोतवाली मेरठ, 8630180430
उ0प्र0 ब्यूरोचीफ : अभिलाष गुप्ता 9412203620 प्रभारी दिल्ली एवं महाराष्ट्र : मंजरी गुप्ता, 42 अनामिका अपार्टमेन्ट इन्द्रप्रस्थ विस्तार पटपड़गंज, नई दिल्ली-92
202, बाहर बिल्डिंग, दूरदर्शन हाउसिंग सोसाइटी, गोकुल धाम, अंधेरी ईस्ट, मुम्बई-63

श्रमशिखर कार्यालय

मेरठ-श्रीकृष्ण भवन,283, वैस्टर्न कचहरी रोड, मेरठ। (0121-2641338) सद्भावना 68ए सांईपुरम, दिल्ली रोड, मेरठ। (9219660359), उत्तराखण्ड - श्री राजेश कुमार गुप्ता, श्री ओम वैष्णव भोजनालय, 78 गांधी रोड, देहरादून (9411548998), गाजियाबाद-(09540018282), अमित कुमार, 705 सी टॉवर, सातवां तल, जी0एच0 1/1, सैक्टर 01, ग्रीन एक्सप्रेस, वैशाली गाजियाबाद,उ0प्र0 09560115905) दिल्ली-राखी मित्तल-एफ-1, त्रवेणी कॉम्पलेक्स शेख सराय फेस-1, न्यू दिल्ली-110017 मो0 9868511922 हरियाणा- राखी मित्तल, रीचमण्ड पार्क डीएलएफ, फेस-4, गुडगांव हरियाणा। मो0 9868511922 मुजफ्फरनगर-विजय बुक स्टोर, मेन रोड, गांधी कॉलोनी, मुजफ्फरनगर। फोनः 9897185208, 9152911899 दिल्ली- Ankit Sisodia GF - 89, Kailash Hills, East of Kailash, New Delhi-110065 श्रीमती रंजीता गर्ग, बी-120, शॉप नं.5,पांडव नगर दिल्ली मो. 9911808555 लखनऊ- अजय श्रीवास्तव, 3/20,विकास नगर लखनऊ फोन9335208218, मुम्बई-अचल गुप्ता, बी- 1603 सनटैक सिटी, गोरेगांव वेस्ट मुम्बई मो.20939916, सरधना-महेश गुप्ता, न्यूज पेपर एजेन्ट मौहल्ला -गुजरान,सरधना, मेरठ। श्रीमति नेहा गोयल फ्लैट नं0 1207 गोमेड ब्लॉक ''माई होम जैवल'' मदीनागुड़ा हैदराबाद 500049

डाक पंजीकरण संख्या-मेरठ
153-2022-2024 RNI No. UPHIN/2009/31760
मालिक, प्रकाशक, मीना भूषण ने मुद्रक प्रिटिंग - इम्प्रेशन्स प्रिटिंग - पैकेजिंग लिमिटेड, 164/1, मोहकमपुर, दिल्ली रोड़, मेरठ- 250002 से मुद्रित कराकर श्रीकृष्ण भवन, गली अपोजिट शिवलोक कॉम्पलैक्स, 283, वैस्टर्न कचहरी रोड मेरठ से प्रकाशित किया।
सम्पादकः सुनिता रानी
प्रबन्धकः राकेश गुप्ता
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों एवं लेख के चयन एवं सपांदन हेतु जी. आर.वी. एक्ट के अर्न्तगत उत्तर दायी समस्त विवाद मेरठ न्यायालय के अधीन ही होगें।

इच्छाओं और जरूरतों का समाधान
हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर CITY MEERUT CLASSIFIED
www. shramshikhar.in, shramshikhar@gmail.com

MATRIMONAL
वैवाहिक परिचय:- वैवाहिक विज्ञापन में कार्य समूह और आर. एच. फैक्टर जांच कराकर प्रकाशित करायें। यह जन्मपत्री के साथ विज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मिलान है आवश्यकता/उपलब्धता

पायें समाधान! अवसर ढूंढ़ रहे है, जरूरत पूरी करें

हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर SERVICES

चुनियें उन्हें, जिन्हें, ढूंढ रहे है, जरूरत पूरी करें।

Jobs आवश्यकता

ट्रेड सप्ताहिक के लिए मार्केटिंग लड़का/लड़की स्टॉफ की आवश्यकता है (सेलरी, कमीशन, खर्चा, इनसेंटिव) इच्छुक अपना बायोडाटा आज लायें। श्रम शिखर 283, वैस्टर्न कचहरी रोड़, मेरठ मो० 9219660359

Film फिल्म सम्बन्धी

वीडियों, एडीटर, सेल्स स्टॉफ, लेखक, एन्कर, पत्रकार, कलाकार, वैब डिजिटल मार्केटिंग बी०सी०ए० अनुभवी एकज्यूटिव पोर्ट फोलियो भेजें। 283 वैस्टर्न कचहरी रोड़, मेरठ मो० 9219660359

Press पत्रकारिता

10 वी./12 वीं हैं हिन्दी/अग्रेंजी अच्छी है तो, पत्रकार बनिएं, कैरियर बनाइए, फ्री टेनिंग लीजिए, रोजगार पाइए, बायोडाटा साथ सम्पर्क, करें-श्रम शिखर, 281 वैस्टर्न कचहरी रोड़, मेरठ मो० 9219660359

Facilty प्लैसमेंट पाइए

अपना बायोडाटा भेजें अवसर ही अवसर आपके दरवाजे पर

Service व्यापार

खरीदना हो बेचना हो
सम्पर्क-सूत्र
9219660359

INTER ACT समाधान उपलब्ध

खरीदना/बेचना

अपने प्रोपर्टीज, मकान, दुकान, प्लॉट आदि के मुफ्त विज्ञापन प्रकाशित तथा डायरेक्ट पार्टी से सम्पर्क करें - 9219660359

Facilty उपलब्ध Man Power

मात्र 100 /रू में अपना नाम व बायोडाटा छपवाने के लिए सम्पर्क करें मो० 9690331338

अपना बायोडाटा भेजें अपनी योग्यता अनुसार अवसर पायें

श्रीकृष्ण भवन, 283/1, वैस्टर्न कचहरी रोड़, मेरठ
Email- rradvertisingmeerut@gmail.com
Mob. 0121-2641338, 9219660359,

हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर
Mini CLASSIFIED
अपने प्रोपर्टीज, मकान, दुकान, प्लॉट आदि के मुफ्त विज्ञापन प्रकाशित तथा डायरेक्ट पार्टी से सम्पर्क करें। मो० 9219660359

हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर

विज्ञापन बुकिंग हेतु विभिन्न प्रकार

- बुटीक
- यूनिफार्म
- एकेडमिक
- हॉबी क्लासेस
- मोटर ड्राइविंग
- बवासीर/फिशर
- चुम्बकीय चिकित्सा
- नशा छुडवायें
- रिहायशी
- गैर रिहायशी
- भूमि/भूखण्ड
- वाहन संबंधी
- मशीनरी
- पालतू जानवर
- बालों का झडना
- कद बढाएं
- व्यक्तिगत सूचना
- इन्वर्टर/बैट्री
- मोबाइन/सेलफोन
- सफेद दाग
- वैवाहिक सेवाएं
- लघु उद्योग
- टीचर्स/शिक्षक
- वर्कर/रोजगार
- सेल्स/मार्केटिंग
- ऑफिस जॉब्स्
- सिक्योरिटी
- कम्प्यूटर ऑपरेटर
- कॉल सेंटर
- फिल्म इंडस्ट्री
- तकनीकी
- मेडिकल
- होटल/रेस्त्रां
- अकाउंटेंट
- हाउसकीपिंग
- ड्राइवर
- पार्ट टाइम जॉब्स
- फुल टाइम जॉब्स
- अन्य......

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
मो० 92196 60359

मेडिकल सुविधाएं

शकुन डेन्टल हैल्थ क्लीनिक

डॉ. विवेक मित्थल
(Mob. 9997153212)
ज्वालापुरी नाला रोड़ निकट माधवपुरम क्रासिंग हनुमान मन्दिर दिल्ली रोड़, मेरठ

हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर
पाठक प्रीविलेज
इच्छाओं और जरूरतों का समाधान उपलब्ध
जाँच शुल्क में 50 %
पूरे विज्ञापन की कार्टिंग लाने पर दो माह तक प्रभावी

TM ट्रेडमार्क

इस अंक में प्रकाशित समस्त विज्ञापन समाचारों एंव लेख के वचन एंव संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद मेरठ न्यायलय के अधीन ही होंगे।

पेस्ट कन्ट्रोल

वर/वधू चाहिए

टूर एण्ड ट्रैवल्स्

FRIZZON
TRAVEL | EVENTS | FILMS
worldwide Travel as you wish

Flight Hotel, Car, Cruise, Train Booking

DOMESTIC ALL INDIA & INTERNATIONAL TOURS AND TRAVELS

BOOKING NOW !

Meerut | Mumbai | Delhi
☎ 0121-2641338, 8266023450
www.frizzontravel.com
E-mail- booking@frizzontravels.com

टीचर्स/शिक्षक

टीचर्स, टूटर्स उपलब्ध है। आप अपना विज्ञापन छपवायें और लोगो तक अपनी पहचान पहुंचाएं और लाभ पाएं

ADVERTISING एडवरटाइजिंग

सभी समाचार-पत्रों मे विज्ञापन बुकिंग हेतु
RR ADVERTISING SERVICES MEERUT
Estd. 1979
All India & International All Media Agency
Outdoor | Print
Signage | Magazine
Event Promotion
Newspaper | Film
Point Of Purchase
Digital Media
Awareness Program

website- rradvertisingmeerut.com
E-mail - rradvertisingmeerut@gmail.com
Mob. 0121-2641338, 9690331338, 9219660359
SHRI KRISHAN BHAWAN, 283, WESTERN KUTCHERY ROAD, MEERUT- 250001

श्रम शिखर act
To book this Space
& innovative advertising
Shri Krishan Bhawan, 283, Western Kutchery Road, Meerut-250001 (U.P.)
0121-2641338, 9690331338

YOUR CONVENIENCE IS OUR PRIORITY!
WE VALUE YOUR TIME AND ASSOCIATION WITH US.
BOOK YOUR ADVERTISEMENT AT
RR. Advertising Services Meerut
For More Details Contact
Web: rradvertisingmeerut.com,
E-mail: rradvertisingmeerut@gmail.com
Shri Krishan Bhawan, 283, Western Kutchery Road, Meerut-250001 (U.P.)
9690331338, 8076970631

इच्छाओं और जरूरतों का समाधान
हिन्दी साप्ताहिक श्रम शिखर CITY CLASSIFIED MEERUT
www. shramshikhar.in, shramshikhar@gmail.com

BUSINESS
व्यापार परिचय :- व्यापारिक विज्ञापन हेतु आवश्यकता/उपलब्धता